Editorial

भारत अमृत काल मना रहा है । भारत सरकार ने घोषणा की है कि भारत 2047 में विकसित राष्ट्रों की सूची में शामिल हो जाएगा । अब भारत दुनिया में सबसे तेजी से विकास करने वाला देश है । आईएमएफ ने अनुमान लगाया है कि 2024-25 में भारत की जीडीपी विकास दर लगभग 7.6 प्रतिशत होगी । यदि भारत को विकसित देशों की सूची में शामिल होना है और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है, तो जीडीपी विकास दर दोहरे अंकों में करनी पड़ेगी । आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है । भारत का जीडीपी 3.469 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है । दुनिया के जाने-माने अर्थशास्त्री कहते हैं कि रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-गाजा संघर्ष के कारण मुद्रास्फीति बढ़ेगी, जिसका प्रभाव विश्व की आर्थिक वृद्धि पर पड़ेगा । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की नेतृत्व क्षमता, कूटनीति और आर्थिक परिदृश्य के क्षेत्र में 2014 के बाद काफी बदलाव आया है ।

आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है । हम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमेशा अहिंसा और वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत का पालन करते रहे हैं । आज के समय में पूरी दुनिया में संघर्ष और अस्थिरता की परिस्थितियाँ बढ़ रही हैं । ऐसे में भारत पूरी दुनिया को एक नई राह दिखा सकता है । वह है लोकतंत्र और अहिंसा का रास्ता । जब हम भारत की विदेश नीति का मूल्यांकन करते हैं, तो हमें पता चलता है कि 2014 के बाद से विदेश नीति के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आया है ।

अब भारत वैश्विक स्तर पर एक सॉफ्ट पावर (नम्र शक्ति) के रूप में उभरा है । परंपरागत रूप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शक्ति को हमेशा सैन्य और आर्थिक शक्ति के रूप में परिभाषित किया गया है । शक्ति के इस रूप को हार्ड पावर के रूप में जाना जाता है । जोसेफ नाई ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सॉफ्ट पावर को परिभाषित करने का प्रयास किया । नाई ने सॉफ्ट पावर (नम्र शक्ति) के तीन स्तंभों का प्रस्ताव दिया, जिन्हें राजनीतिक मूल्य, संस्कृति और विदेश नीति के रूप में जाना जाता है ।

सांस्कृतिक कूटनीति किसी देश की सॉफ्ट पावर का एक महत्वपूर्ण आयाम है । सांस्कृतिक क्षेत्र में भारत ने 2014 के बाद जबरदस्त काम किया । भारत सरकार ने

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग को लोकप्रिय बनाया । अब पश्चिमी देशों के साथ-साथ अरब देशों ने भी स्कूली पाठ्यक्रम में योग को शामिल किया है । 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी । यूनेस्को ने कई भारतीय ऐतिहासिक स्थलों को विरासत स्थल के रूप में मान्यता दी है । वहीं हमने विभिन्न आपदा प्रबंधनों में अंतराष्ट्रीय सहयोग और सहकार्य और सहभागिता को बढ़ावा दिया तथा अंतराष्ट्रीय सम्बन्धों को वैश्विक स्तर पर स्थिरता और शांति के लिए साझी रणनीतिक प्रयासों और कूटनीतिक - राजनैतिक संवादों को जारी रखा ।

भारत दुनिया में सबसे प्राचीन और महान सभ्यता वाला देश है । भारत अपनी संस्कृति, सभ्यता और पारंपरिक ज्ञान के आधार पर विश्व गुरु बनने की राह पर है । मोदी सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर नई शिक्षा नीति पेश की है। नई शिक्षा नीति की खास बात यह है कि इसमें पारंपरिक ज्ञान को प्राथमिकता दी गई है । भारत अपने पारंपरिक ज्ञान को पुनर्जीवित करके विश्व गुरु बन सकता है । नई शिक्षा नीति भारत को विश्व गुरु बनने में मदद करेगी । आजकल दुनिया का हर देश जलवायु से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहा है । हमारी भारतीय संस्कृति हमेशा से प्रकृति के संरक्षण पर केंद्रित रही है । सभ्यता के आरंभ से ही हम प्रकृति की पूजा करते आए हैं । अगर पूरी दुनिया प्रकृति के संरक्षण के लिए भारत के पारंपरिक ज्ञान का अनुसरण करेगी तो हम जलवायु से जुड़ी समस्याओं से लड़ सकेंगे और विश्व समुदाय आज विकास, शांति और स्थिरता के सभी वैश्विक मंचो पर हमारी सहभागिता की अपेक्षा रखता है ।